ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 1 अंक 223

नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने:13 मंत्री बनाए, इनमें 6 पहले भी मंत्री रहे; सबसे ज्यादा 5 OBC चेहरे, 2 महिलाएं



24 न्यूज अपडेट

पंचकूला. हरियाणा में नायब सैनी ने दूसरी बार CM पद की शपथ ले ली है। सैनी राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने। हालांकि मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने वाले वे 11वें नेता हैं। शपथ ग्रहण समारोह पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में हुआ।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल हुए। शपथ ग्रहण में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह के साथ 18 राज्यों के CM व डिप्टी CM भी पहुंचे थे।

CM सैनी के साथ 13 मंत्रियों ने शपथ ली। जिनमें सबसे ज्यादा 5 चेहरे ओबीसी वर्ग से हैं। जाट, ब्राह्मण और SC वर्ग से 2-2 मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा पंजाबी, राजपूत और वैश्य बिरादरी से एक-एक मंत्री बनाया गया है।

नए बनाए मंत्रियों में अनिल विज, कृष्णलाल पंवार, राव नरबीर, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी पहले मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा रणबीर गंगवा पिछली BJP सरकार में डिप्टी स्पीकर थे। नए चेहरों में अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, आरती राव, श्रुति चौधरी और गौरव गौतम पहली बार मंत्री बने हैं। भाजपा ने हरियाणा में UP, राजस्थान और मध्यप्रदेश की तरह डिप्टी CM बनाने का फॉर्मूला नहीं अपनाया।

उत्तराखंड के मदरसों में संस्कृत पढ़ाई जाएगी:ऑप्शनल सब्जेक्ट रहेगा; मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष बोले- राज्य सरकार की अनुमति मिलते ही लागू करेंगे



24 न्यूज अपडेट

दिल्ली.उत्तराखंड के मदरसों में जल्द ही संस्कृति पढ़ाई जा सकती है। इसे राज्य के 400 से ज्यादा मदरसों में ऑप्शनल सब्जेक्ट के तौर पर रखा जाएगा।

मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून ने गुरुवार को कहा कि हम इस योजना पर लंबे समय से काम कर रहे हैं। राज्य सरकार की अनुमति मिलते ही इसे लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मदरसा जाने वाले बच्चों को मेनस्ट्रीम से जोड़ना चाहते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए हमने यह योजना बनाई है। मदरसों में NCERT सिलेबस लागू होने के अच्छे परिणाम मिले बोर्ड अध्यक्ष मुफ्ती शमून ने कहा कि NCERT पाठ्यक्रम से मदरसों में लागू होने से इस साल बहुत अच्छे नतीजे सामने आए हैं। 96% से ज्यादा बच्चे पास हुए। इससे पता चलता है कि मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। मौका मिलने पर वे संस्कृति समेत सभी सब्जेक्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सकते है।

उन्होंने कहा कि अरबी और संस्कृत दोनों ही प्राचीन भाषाएं हैं। अगर मदरसा स्टूडेंट्स को अरबी के साथ संस्कृत भी पढ़ने का मौका मिलता है, तो यह उनके लिए फायदेमंद रहेगा।

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड अध्यक्ष बोले- स्टूडेंट्स को धार्मिक शिक्षा तक सीमित रखना गलत

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने भी कहा कि मदरसों में संस्कृत की पढ़ाई शुरू करना अच्छा होगा। हालांकि उन्होंने हैरानी जताई कि मदरसा बोर्ड को इसे लागू करने से कौन रोक रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें इस तरह के किसी काम के लिए राज्य सरकार से मंजूरी मिलने में कोई बाधा आएगी। स्टूडेंट्स के लिए धार्मिक शिक्षा जरूरी है, लेकिन बच्चों को सिर्फ धार्मिक शिक्षा तक सीमित रखना, उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना है। मदरसे हर दिन धार्मिक शिक्षा के लिए एक घंटा रख सकते हैं। पूरे दिन सिर्फ धार्मिक ग्रंथ पढ़ाने और उन्हें कुछ और नहीं सीखने देने से वे अपंग हो जाएंगे। सितंबर 2022 में वक्फ बोर्ड का चेयरमैन बनने के बाद शादाब शम्स मॉर्डर्न मदरसे का आइडिया लेकर आए थे। उनका कहना था कि छात्रों को सिर्फ धार्मिक पढ़ाई न पढ़ाकर कंप्यूटर और साइंस की शिक्षा भी दी जानी चाहिए।

जस्टिस संजीव खन्ना होंगे 51वें CJI:अनुच्छेद 370 हटाने को सही बताया था, कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का, 13 मई को रिटायर होंगे



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के 51वें चीफ जस्टिस होंगे। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने सरकार से उनके नाम की सिफारिश की है। दरअसल, CJI चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे। परंपरा है कि मौजूदा CJI अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। CJI चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे

जस्टिस संजीव खन्ना का जन्म 14 मई 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया। सुप्रीम कोर्ट जज बनाए जाने से पहले वे दिल्ली हाईकोर्ट में 14 साल तक जज रहे। उन्हें 2019 में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया था।

असम में अप्रवासियों को नागरिकता देने वाला कानून वैध CJI बोले- यह राजनीतिक समाधान था, जो कानून बना



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A की वैधता को बरकरार रखा है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने इस पर गुरुवार को फैसला सुनाया। बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे। फैसले पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ सहित चार जजों ने सहमति जताई है। वहीं जस्टिस जेबी पारदीवाला ने असहमति जताई। दरअसल, सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6A को 1985 में असम समझौते के दौरान जोड़ा गया था। इस कानून के तहत जो बांग्लादेशी अप्रवासी 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक असम आए हैं वो भारतीय नागरिक के तौर पर खुद को रजिस्टर करा सकते हैं। हालांकि 25 मार्च 1971 के बाद असम आने वाले विदेशी भारतीय नागरिकता के लायक नहीं हैं। इस कानून पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- हमने धारा 6A की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। हम किसी को अपने पड़ोसी चुनने की अनुमति नहीं दे सकते और यह उनके भाईचारे के सिद्धांत के खिलाफ है। हमारा सिद्धांत है जियो और जीने दो।

पाकिस्तान से भेजा गया IED बम, ड्रोन के जरिए डिलीवरी, बैटरियां और टाइमर भी बरामद

24 न्यूज अपडेट

फाजिल्का/चंडीगढ़: भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान ने एक बार फिर नापाक हरकत की है. पहले जहां पाकिस्तान से लगती पंजाब की सीमाओं से नशे की खेप बरामद हुई है, वहीं अब एक बार फिर भारत में बड़े हमले की साजिश रची जा रही है, जिसे बीएसएफ ने नाकाम कर दिया है।

ड्रोन से भेजा गया आईईडी बम बरामद

फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में ड्रोन द्वारा भेजा गया आईईडी बम बरामद किया गया है. आरडीएक्स की इस खेप में बम के साथ बैटरी और टाइमर भी शामिल हैं. बम बरामद होने के बाद बीएसएफ ने इसे स्टेट स्पेशल सेल को सौंप दिया है. इसके बाद वे मामले की जांच कर रहे हैं और मामला भी दर्ज कर लिया है. ड्रोन की गतिविधि देखी गई जानकारी के अनुसार फाजिल्का के अबोहर सेक्टर के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र बहादुरपुर के पास ड्रोन की हलचल देखी गई. जैसे ही बीएसएफ को इसकी जानकारी मिली तो बीएसएफ ने जब इलाके की तलाशी ली तो इलाके से एक आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बम बरामद हुआ, जिसके बाद बीएसएफ ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बम को स्टेट स्पेशल सेल को सौंप दिया।

टिन के डिब्बे में 1 किलो आरडीएक्स मिला

वहीं एक टिन का डिब्बा मिला था, जिसमें लगभग एक किलोग्राम आरडीएक्स भरा हुआ था. साथ ही बैटरी और टाइमर के साथ बीएसएफ ने इसे बरामद करने के बाद फाजिल्का स्थित स्टेट स्पेशल सेल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया है. उनके द्वारा इस मामले की आगे जांच की जा रही है कि यह बम पाकिस्तान से भारत क्यों भेजा गया।

रेलवे टिकट की एडवांस बुकिंग अब 2 महीने पहले होगी:अभी यात्रा से 4 महीने पहले शुरू होती है, नए नियम 1 नवंबर से लागू होंगे



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने एडवांस टिकट बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। पहले टिकट बुकिंग यात्रा से 120 दिन पहले शुरू होती थी, अब इसे घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। नया फैसला 1 नवंबर 2024 से लागू होगा।

रेल मंत्रालय के मुताबिक, एडवांस ट्रेन टिकट बुकिंग के नए नियमों का पहले से बुक किए गए टिकटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। साथ ही, विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिनों की डेडलाइन में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अभी टिकट बुकिंग IRCTC की वेबसाइट, एप और रेलवे के बुकिंग काउंटर्स से होती है। IRCTC से हर दिन 12.38 लाख टिकट बुक होते हैं। 2015 में रेलवे ने एडवांस रिजर्वेशन पीरियड बढ़ाया था 1 अप्रैल, 2015 तक एडवांस रिजर्वेशन पीरियड 60 दिन था। सरकार ने तब बुकिंग अवधि को 120 दिन करने पर तर्क दिया था कि अवधि आगे बढ़ाने से दलाल हताश होंगे, क्योंकि इसमें ज्यादा कैंसिलेशन चार्ज देना होगा।

हालांकि तब कई लोगों ने तर्क दिया था कि रिजर्वेशन पीरियड को आगे बढ़ाने का रेलवे का उद्देश्य अतिरिक्त 60 दिनों के लिए ब्याज के साथ-साथ कैंसिलेशन की ज्यादा संख्या के माध्यम से एडिशनल रेवेन्यू कमाना है।

IRCTC की ब्याज और कैंसिलेशन से कमाई कम होगी एडवांस रिजर्वेशन पीरियड कम होने से IRCTC की ब्याज और कैंसिलेशन से कमाई कम होगी। इसका असर उसके शेयर पर भी दिख रहा है। कंपनी का शेयर करीब 2.5% नीचे 870 रुपए पर बंद हुआ है। एक महीने में शेयर 6% टूटा है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 70 हजार करोड़ रुपए है।

जम्मू-कश्मीर स्टेटहुड का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा:याचिकाकर्ता ने 2 महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की; CJI सुनवाई को तैयार

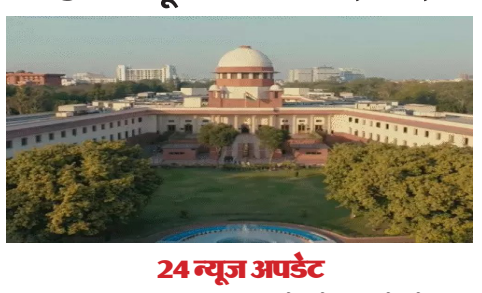

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। एडवोकेट गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से यह याचिका लगाई है। CJI डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे इस पर सुनवाई करेंगे। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया था। हालांकि मामले में फैसला आने के 10 महीने बाद भी केंद्र सरकार ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11 अगस्त, 2023 को आया था।

याचिका में कहा गया है कि यह संघवाद की मूल विशेषता का उल्लंघन है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को प्रभावित करता है। इसलिए कोर्ट केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के निर्देश दे। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। 29 अगस्त, 2023 को आर्टिकल 370 खत्म करने के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि राज्य को दो अलग यूनियन टेरिटरी में बांटने का कदम अस्थायी है। लद्दाख यूनियन टेरिटरी ही रहेगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर को जल्द ही फिर से राज्य बना दिया जाएगा।

इस पर कोर्ट ने कहा कि वह राष्ट्रीय हित में जम्मू-कश्मीर को दो अलग यूनियन टेरिटरी में बांटने के केंद्र के फैसले को स्वीकृति देने का इच्छुक है। कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर को यूनियन टेरिटरी बनाने का कदम कितना अस्थायी है और उसे वापस फिर से राज्य का दर्जा कब तक मिलेगा, इसकी जानकारी दें।

संपादकीय : संकल्प का साहस

पाकिस्तान की मेजबानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मंच से भारत ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद का रास्ता छोड़े बिना विकास के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। भारत हमेशा संकल्प के साथ अपनी बात रखता है। भारत ने यह साहस दिखाया है कि वहां जाकर अपनी बात रखे, जहां से आतंक को पनाह दी जाती है। भारत ने चीन को भी नसीहत दी और कहा की अगर क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता नहीं दी जाएगी, तो सहयोग वास्तविक नहीं हो सकता। दरअसल, आर्थिक गलियारे की परियोजना को लेकर चीन और पाकिस्तान का नापाक गठजोड़ छिपा नहीं है। इस परियोजना के निहित स्वार्थों की खातिर चीन ने हमेशा पाकिस्तान की कारगुजारियों का समर्थन किया है। इसके तहत चीन के शिनव्यिांग उइगुर और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तक करीब तीन हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक बुनियादी ढांचा परियोजना विकसित होनी है। यह गलियारा भारत की सीमा के बहुत नजदीक से होकर गुजरेगा और इसमें गिलगित तथा बालटिस्तान क्षेत्र भी आते हैं, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का हिस्सा हैं और उन्हें लेकर दोनों देशों के बीच शुरू से विवाद बना हुआ है। इस परियोजना के चलते कश्मीर सीमा तक चीन पहुंच आसान हो जाएगी। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का विरोध रणनीतिक दृष्टि से भारत तो करता ही रहा है, बलूचिस्तान प्रांत में इसका तीखा विरोध होता रहा है। अक्सर बलूच विद्रोही इस आर्थिक गलियारे के निर्माण कार्य में जुटे चीनी नागरिकों पर हमले करते रहे हैं। वहां की सरकार के लिए बलूच चरमपंथियों से निपटना बड़ी चुनौती बना हुआ है। अनेक मौकों पर वे बड़े हमले कर चुके हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर अपनी स्पष्ट नीति बनाने को तैयार नहीं दिखता। वह भारत में तो आतंकी गतिविधियों को प्रश्रय देता है, पर अपने खिलाफ अपने ही यहां पनपे आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं कर पाता । इसीलिए भारत ने चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बगैर स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद और विकास साथ-साथ नहीं चल सकते। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बहुत बदहाल है, उसी का लाभ उठा कर चीन उसे अपने पाले में खींचने में सफल हो गया। वह उसे वित्तीय सहयोग दे रहा है, मगर इतने भर से वहां विकास की बयार बह जाएगी, यह मानना सिर्फ खामखयाली ही होगी। चीन का मकसद सड़क, समुद्री और हवाई मार्गों के जरिए भारत को घेरना है। पाकिस्तान उसकी इस रणनीति में एक मोहरा मात्र है। अपना मकसद पूरा होने के बाद चीन कब उसका हाथ झटक कर अलग हो जाएगा, इसका पाकिस्तान को तनिक भी इल्म नहीं । पाकिस्तान शुरू से भारत विरोध की चादर फैला कर अपनी बदहाली को ढकने का प्रयास करता रहा है। इस तरह काफी हद तक वह अपने अवाम का असल मसलों से ध्यान भटकाए रखने में कामयाब भी हुआ है। मगर वहां के लोग अब इस हकीकत को जान चुके हैं। चीन के साथ गलबहियां करके उसे लगता है कि भारत पर दबाव बनाए रखने में कामयाब होगा, मगर असलियत यह है कि वह खुद चीन के चंगुल में बुरी तरह कसता जा रहा है। भारत के पड़ोसी देशों ने चीन की इस चाल को समझते हुए फिर से भारत के साथ नजदीकी बढ़ाने का प्रयास शुरू कर दिया है, मगर पाकिस्तान अलग-थलग पड़ता जा रहा है। जब तक वह आतंकवाद और चीन के चंगुल से मुक्त नहीं होता उसकी तरक्की के रास्ते बंद ही रहेंगे।

खौफ की उड़ान

हवाई यात्रा को बेहद सुरक्षित और सुगम्य साधन माना जाता है। रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ और अधिक समय लगने से यात्रियों का एक बड़ा वर्ग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है। मगर यहां भी लेटलतीफी, उदानों के रद्द होने और विमानों में बम रखे जाने के फर्जी संदेशों तथा धमकियों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। बीते दिनों दिल्ली से शिकागो जा रहे एअर इंडिया के विमान सहित सात उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी से विमानन कंपनियों में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में यात्री सांसत में पड़ गए। उन्हें काफी दिक्कत हुई और वे गंतव्य तक काफी देर से पहुंचे । एअर इंडिया के विमान को कनाडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा, जबकि अन्य विमानों को अलग-अलग हवाई अड्डों पर उतार कर उनकी सघन जांच की गई। इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। सुरक्षा अधिकारी सोशल मीडिया मंच के माध्यम से दी गई धमकी की जांच कर ही रहे थे कि बुधवार को दिल्ली से बंगलुरु जा रहे विमान में बम रखे होने की फि धमकी मिली। बीते तीन दिनों में ऐसे कई फर्जी संदेश मिले ऐसे मामलों से आरोपियों का तुरंत न पकड़ा जाना चिंता की बात है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक कारगर तंत्र की जरूरत है। यह एक बड़ा सवाल है कि सोशल मीडिया मंच से या ई-मेल भेज कर कोई इस तरह खुलेआम धमकी कैसे दे सकता है। यह हाल तब है जबकि ऐसे फर्जी संदेशों को पकड़ने की आधुनिक तकनीक हमारे पास उपलब्ध है। फिर भी सुरक्षा एजंसियां झूठी धमकियां देने वालों का पता नहीं लगा पातीं। आरोपी कहीं भी बैठ कर अपनी हरकत दोहराते रहते हैं। ऐसी घटनाओं से जहां एक ओर सुरक्षित यात्रा के प्रति भरोसा टूटता है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। नागरिक उड्डयन सचिव ने कहा है कि आरोपियों की पहचान की जा रही है। मगर सवाल यही है कि इसमें इतना वक्त लगता ही क्यों है । हाल की घटनाएं विमानन कंपनियों के लिए चुनौती हैं, एक सबक भी। फर्जी संदेशों का खौफ खत्म करने के लिए कारगर तकनीकी तंत्र विकसित करना जरूरी है।

ये क्या भाई साहब :: आयड़ नदी में सीमेंट-कंक्रीट का उपयोग! किसके इशारे पर एनजीटी कोर्ट के आदेशों की हो रही खुली अवहेलना!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। उदयपुर की आयड़ नदी की विनाशलीला को ढंकने के लिए एक बार फिर से युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू हो गए है। नदी ने फेंसिंग के काम के उद्घाटन के लिए एक इंच जगह नहीं देकर पिछले दिनों बता दिया था कि प्रकृति से छेड़छाड़ करोगे तो नतीजे भी भुगतने होंगे। मगर किसी खासमखास के आदेश पर दंडवत हुआ जिला प्रशासन अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। आयड़ नदी में अब उखड़े हुए चौकों को लगाने के लिए मौके पर कंक्रीट मिक्सर लगाकर सीमेंट और कंक्रीट का प्रयोग किया जा रहा है। यह एनजीटी के आदेशों की खुलेआम अवहेलना नहीं तो और क्या है। आपको बता दें कि पिछले साल स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अंतिम सुनवाई से पूर्व ही 23 अगस्त को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल को लिखित में अपनी संशोधित योजना प्रस्तुत की थी। इसमें अब नदी के बीच में बनाई जा रही चैनल के पैंदे को पक्का नहीं करने, इस चैनल की दीवारों तथा कुछ स्थानों पर छोटी टो वाल के अलावा कहीं भी आरसीसी, सीमेंट का प्रयोग नहीं करने का लिखित में वचन दिया गया है। चैनल के अंदर नदी तल पर पत्थर की पिचिंग करने की बात कही है। यह नहीं कहा कि चौके लगाए जाएंगे वो भी सीमेंट और कंक्रीट लगा कर। ऐसे में भूजल रिचार्ज में बाधा आनी तय है। स्मार्ट सिटी ने कोर्ट को लिखित में दिया हुआ है कि पूरे नदी पेटे में कही भी कंक्रीटीकरण नहीं किया जाएगा लेकिन यहां पर सरेआम हो रहा है। अब सवाल यह उठता है कि यह सब किसके आदेश पर हो रहा है। क्या इनको कोर्ट के आदेश का भी डर नहीं है। दो-दो बार विकास कार्य के विनाश कार्य में तब्दील होने के बाद भी आखिर किसके दम पर प्रशासन रस्सी जल गई लेकिन बल नहीं गया वाला रूख अख्तियार किए हुए है। अपनी सामान्य बुद्धि को गिरवी रख कर लाखों का काम फिर से करवा रहा है। यह पैसा कहां से आ रहा है, किस मद से दिया जा रहा है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है क्योंकि दोनों प्रमुख दलों के नेताओं और प्रशासन की सीधी सीधी मिलीभगत दिखाई दे रही है। उम्मीद है कि हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट इन तथ्यों का स्वतः संज्ञान लेकर कोई न कोई निर्णायक न्याय जरूर करेगा।

विवाद के बाद कोठारी को BJP सदस्यता देने से इनकारःदेवनानी बोले- मेरे पास प्रदेशाध्यक्ष का लेटर आया, वो सदस्य नहीं, इसलिए एक्शन नहीं बनता



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा से निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी की भाजपा सदस्यता को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को भीलवाड़ा में बड़ा बयान दिया। देवनानी ने कहा- मेरे पास पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का स्टेटमेंट आया है। उन्होंने विधायक अशोक कोठारी को पार्टी की सदस्यता देने से मना कर दिया है। वो आज की तारीख में पार्टी के सदस्य नहीं है, जब वो सदस्य नहीं है, तो मेरा कोई एक्शन उन पर नहीं बनता है। देवनानी गुरुवार को भीलवाड़ा के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी की भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता के सवाल के जवाब में कहा कि जब तक कोई विधायक विधानसभा के विधायक दल सदस्यता नहीं लेता, तब तक उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है। भीलवाड़ा के विधायक के बारे में यहां पार्टी ने इनको सदस्यता के लिए मना कर दिया तो यह विषय स्वतः संज्ञान जैसा नहीं बना। मेरे पास पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का स्टेटमेंट आया है। उन्होंने इन्हें सदस्यता देने से मना कर दिया है। वो आज की तारीख में पार्टी के सदस्य नहीं है, जब वो सदस्य ही नहीं है तो मेरा कोई एक्शन उस पर नहीं बनता है। उन्होंने विधायक दल की सदस्यता नहीं ली। नियम यह है कि विपक्ष पार्टी का सदस्य, रूलिंग पार्टी का नहीं बन सकता है लेकिन संबंध सदस्य बनकर कार्य कर सकता है। देवनानी ने कहा- पार्टी में विशेष आमंत्रित सदस्य भी होते हैं, पहले भी ऐसे मेंबर रहे हैं। मेरे सामने अब तक जो तथ्य आए हैं, उसके आधार पर इन पर दल बदल कानून लागू नहीं होता है। केवल विपक्ष के नेता का एक पत्र आया है, जिसमें उन्होंने इस पर संज्ञान लेने के लिए कहा है। उसको मैंने अपने सचिव को तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा है। बता दें कि विधायक कोठारी भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान मैंबरशिप लेकर फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। कोठारी ने अपने स्टेटमेंट में भी कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रीति नीतियों से प्रेरित होकर भाजपा जॉइन की है। वो चाहते हैं कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़े तरक्की करें, इसलिए भाजपा जॉइन की है।

छात्र देवराज के परिजनों को दी नगद सहायता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। स्कूली छात्रों के आपसी विवाद में हुई चाकू बाजी से दसवीं क्लास के छात्र देवराज की मौत होने पर गुरुवार को शहर विधायक ताराचंद जैन ने जिला प्रशासन की ओर से 4 लाख रुपए की नगद सहायता राशि दी। जानकारी के अनुसार रंगनिवास स्थित सरकारी स्कूल में छात्रों के बीच हुए विवाद में एक छात्र ने अपने ही सहपाठी छात्र देवराज को चाकू मार कर घायल कर दिया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मृतक छात्र देवराज के पिता पप्पू मोची को गुरुवार को शहर विधायक ताराचंद जैन ने जिला प्रशासन की ओर से 4 लाख रुपए की नगद सहायता राशि दी। इस दौरान शहर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, मंडल अध्यक्ष विजय आहुजा सहित छात्र के परिजन मौजूद रहे।

निःशुल्क तीन दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 17 अक्टूबर मेवाड़ शक्ति कल्याण ट्रस्ट व रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर अशोका के संयुक्त तत्वाधान में 3 दिवसीय निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण का शुभारम्भ अशोका पैलेस बिल्डिंग सो फीट मेन रोड शोभागपुरा उदयपुर (राज.) इस प्रशिक्षण मे विशेष बालिकाऔ , महिलाओं व बुजुर्गों को लट्ठ अथवा तलवार से विषम परिस्थिति मे स्वयं की रक्षा करना सिखाया जा रहा है।संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया की इसमे मुख्य प्रशिक्षक नीलकंठ अखाड़े के उस्ताद गुरु गौरीशंकर वसिटा है । आज युवक युवतियां, महिला पुरुष स्वेच्छा से भाग लेने वालों मे विशेष सेक्रेटरी अशोका रजनीश कुमावत, लोकजन अध्यक्ष प्रो विमल शर्मा, प्रेमलता कुमावत, बसंती वैष्णव , एकार्थ पुरोहित, धर्मपाल जाट, चंदा चौधरी, कुसुमलता सुहालका, रीना रधुवंशी, वेबी हिरल वसीटा, वेबी नंदनी छाजेड, गजेन्द्र जैन, अर्चना जैन, गंगा गरासिया, अण्दु बाई, धरमपाल सहित 25 लाभार्थी थे ।

मां ने 5 साल के बेटे को मारकर सुसाइड कियाःफंदे पर लटके मिले दोनों, एक दिन पहले पति से हुआ था झगड़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. मां ने अपने पांच साल के बेटे के साथ सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले महिला ने अपने घर की साफ-सफाई की। बेटे को नहलाया। इसके बाद पहले बेटे को फंदे पर लटकाया। उसके बाद खुद फांसी लगा ली। हादसे के एक दिन पहले महिला का अपने पति के साथ झगड़ा हुआ था। मामला उदयपुर के फलासिया थाना क्षेत्र का है। थानाधिकारी सीताराम ने बताया- थानाधिकारी ने बताया- बिजली दमाणा गांव की रहने वाली कमला पत्नी दिनेश ने अपने 5 साल के बेटे हिमांशु को फंदे से लटकाया। उसके बाद स्वयं ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। परिजनों ने सुबह दोनों के शव फंदे पर लटके देखकर पुलिस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंचकर महिला के पीहर पारगियापाड़ा में सूचना दी। पीहर पक्ष के पहुंचने पर ही मां-बेटे के शव को उतारकर हॉस्पिटल ले जाया गया। एक दिन पहले पति से हुआ था झगड़ा जानकारी अनुसार- एक दिन पहले बुधवार को मृतक नाबालिग हिमांशु खेलते हुए गिर गया था। उसे चोट लग गई थी। इसी बात को लेकर दिनेश और उसकी पत्नी कमला में आपस में कहासुनी हो गई थी। दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ। शाम को सभी लोग मुख्य घर में चले गए। इधर कमला अपने बेटे के साथ अपने घर ही सोई थी।

सुसाइड से पहले बेटे को नहलाया

मृतका ने सुबह जल्दी उठकर घर की साफ सफाई और लीपा पोती की। उसके बाद खुद नहाई और हिमांशु को भी नहलाया। इसके बाद पहले हिमांशु को फंदे से लटका दिया। जब उसकी मौत हो गई तो खुद ने भी फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पीहर पक्ष द्वारा मौताने की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त जाब्ता लगाया है।

सलूम्बर विधानसभा उपचुनाव- 2024 ईएसएमएस पोर्टल का ऑनलाइन प्रशिक्षण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अक्टूबर। विधानसभा उपचुनाव- 2024 को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से गुरूवार ईएसएमएस (इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल का ऑनलाइन प्रशिक्षण हुआ। उदयपुर में डीओआईटी के वीडियो कांफ्रेन्स कक्ष में निर्वाचन व्यय निगरानी प्रकोष्ठ प्रभारी कृष्णपाल सिंह चौहान सहित प्रकोष्ठ से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित रहकर ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया। विषय विशेषज्ञों ने उड़नदस्तों, स्थैतिक निगरानी दलों, पुलिस, आबकारी, जीएसटी आदि के माध्यम से होने वाली जब्ती को पोर्टल पर दर्ज करने आदि की प्रक्रिया से अवगत कराया। साथ ही जब्ती की कार्यवाही और पोर्टल पर इंद्राज के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों आदि का भी प्रशिक्षण दिया।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट उदयपुर में इन्वेस्टर मीट 22 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अक्टूबर। प्रदेश में औद्योगिक प्रोत्साहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत उदयपुर में इन्वेस्टर मीट का आयोजन 22 अक्टूबर को सुबह 10 बजे होटल रेडिसन ब्लू में होगा। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, विशिष्ट अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिला प्रभारी सचिव व जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। इस मीट में रजिस्ट्रेशन व प्रतिभागियों के परिचय सत्र के बाद उदयपुर में निवेश के अवसरों पर प्रजेन्टेशन, राज्य व जिला स्तर पर बनाई मूवी का प्रदर्शन होगा और एमओयू होंगे।

टोबैको फ्री यूथ केम्पेन 2.0 पर संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 अक्टूबर। चिकित्सा विभाग की ओर से टोबैको फ्री यूथ केम्पेन की संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन संयुक्त निदेशक डॉ प्रकाश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामनिया ने बताया कि कार्यशाला में उदयपुर और बांसवाड़ा संभाग के सभी जिलों के सीएमएचओ, डिप्टी सीएमएचओ के साथ शिक्षा व पुलिस विभाग, नगर निगम, सभी ब्लॉक से बीसीएमओ और स्टेक होल्डर ने भाग लिया। कार्यशाला में राज्य स्तर से नरेन्द्र सिंह व एसआरकेपीएस एनजीओ के राजन चौधरी शामिल हुए। संयुक्त निदेशक ने शपथ दिलाते हुए कहा कि तम्बाकू मुक्त ग्राम और शहर के लिए सार्वजनिक स्थानों पर तम्बाकू पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसमें पुलिस विभाग और नगर निगम का सहयोग अपेक्षित है।

राज्य प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह ने केन्द्र और राज्य सरकार के इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि टोबैको फ्री यूथ केम्पेन के माध्यम से जागरूकता द्वारा लोगों को तम्बाकू उत्पादों के सेवन से दूर करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। सीएमएचओ डॉ बामनिया ने बताया कि 60 दिवसीय टोबैको फ्री यूथ केम्पेन के माध्यम लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कोटपा एक्ट के अंतर्गत उपयुक्त धाराओं के अनुसार चालान की कार्यवाही करने की बात कही। सलूंबर सीएमएचओ डॉ बुनकर ने भी उपयोगी सुझाव दिए। एसआरकेपीएस एनजीओ के राजन चौधरी ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत बना कर युवा पीढ़ी को इसके दुष्परिणामों से बचाना है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन व एनटीपीसी नोडल डॉ प्रणव भावसार ने भी विचार रखे। उप निदेशक डॉ पंकज गौड़ ने आभार जताया।

प्रिंसिपल-टीचर्स के ट्रांसफर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले-अभी फुफकार मारी है:राठौड़ ने कहा- संभल जाओ, जिस काम में हो, वहां सेवाएं अच्छी दो



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. राजस्थान सरकार के अपने पिछले कई फैसलों पर लिए गए यू-टर्न के कारण घिर गई है। नेताओं में आपसी कम्युनिकेशन की कमी को इसका बड़ा कारण बताया जा रहा है। हाल ही में उपचुनाव की आचार संहिता से कुछ देर पहले शिक्षक-प्रिंसिपल के ट्रांसफर और फिर आदेश को निरस्त करने पर भी सरकार की नीति पर सवाल उठे। इसी लेकर विपक्ष ने भी सरकार की नीति पर सवाल उठाए हैं। अब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सरकार का बचाव करते हुए कहा है कि इसमें दिक्कत क्या है। हमारा आपस समन्वय काफी अच्छा है।

तबादलों पर लिए गए यू-टर्न पर क्या बोले मदन राठौड़

फुफकार मारना और डसना अलग बात है। फुफकार इसलिए मारते हैं कि संभल जाओ। जिस काम में हो, वहां सेवाएं अच्छी दो। हमने फुफकार मारकर समझा दिया। इससे बाकी लोग अच्छे से काम करें। कुछ घंटे में ही तबादलों के आदेश वापसी पर मदन राठौड़ बोले- इसमें क्या दिक्कत है। हमारे एक मंत्री ने दूसरे की चिट्ठी को सम्मान दिया। मैं दूसरे मंत्री का बड़प्पन मानता हूं कि इसका सम्मान किया। हमने कभी एक-दूसरे की टांग खिंचाई नहीं की. कांग्रेस नेता तो एक-दूसरे को निकम्मा कहते थे- राठौड़ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा पर भी सियासी पलटवार किया। राठौड़ ने कहा कि- हमारे और कांग्रेस में बड़ा अंतर है। कांग्रेस नेता एक-दूसरे को नकारा-निकम्मा और न जाने क्या-क्या बोल देते थे। हम आपस में समन्वय रखते हैं। वहीं, उपचुनावों की तैयारियों पर राठौड़ ने कहा- हम उपचुनावों में जनता के बीच सरकार के कामों को लेकर जाएंगे। हमारी सरकार ने पिछले 10 माह में जन कल्याण से जुड़े काम किए हैं। यह उपचुनाव हम विकास के मुद्दे पर लड़ेंगे। प्रत्याशी चयन को लेकर राठौड़ ने कहा कि जो जनता के बीच सेवक बनकर जाता है और जिसको जनता पसंद करती है, उसे हम टिकट देंगे।

क्या है ट्रांसफर का मामला

दरअसल, मंगलवार (15 अक्टूबर) को शिक्षा विभाग ने एक ही लिस्ट में 40 स्कूल प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए थे, जिसमें 39 फेरबदल अकेले दौसा जिले के थे। बैन के बावजूद ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले किए गए थे। दौसा में हुए तबादलों पर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने तबादले स्थगित करने की मांग की थी। किरोड़ी के लेटर के बाद शिक्षा विभाग ने तत्काल तबादला आदेश वापस ले लिए। इससे पहले राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 78 नगरीय निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों पर महज 6 घंटे बाद ही रोक लगा दी थी।

दिल्ली से जयपुर के लिए रोडवेज़ की नई सौगात, कम किराए की 8 नई टू वाई टू एसी लग्ज़री बसों का संचालन शुरू



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। राजस्थान रोडवेज़ ने दिल्ली से जयपुर और जयपुर से दिल्ली यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नई सौगात के रूप में कम किराए की लग्जरी बसें चलाई हैं। राजस्थान रोडवेज़ चेयरमैन श्रीमती शुभ्रा सिंह के निर्देशानुसार आईएसबीटी कश्मीरी गेट से दिल्ली - जयपुर मार्ग पर 17 अक्टूबर से 8 नई टू वाई टू एसी लग्ज़री बसों का संचालन प्रारंभ कर दिया है। गुरूवार को नई टू वाई टू एसी लग्ज़री बस के कश्मीरी गेट पहुँचने पर दिल्ली आगार के मुख्य प्रबंधक श्री पुलकित कुमार द्वारा बस के चालक और परिचालक का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इससे पूर्व अभी तक दिल्ली से जयपुर की राजस्थान रोडवेज़ की नॉनस्टॉप एसी लग्ज़री गाड़ी के लिये यात्रियों को आईएसबीटी कश्मीरी गेट पर 3 से 4 घंटे तक का इंतज़ार करना पड़ता था ।अब नयी गाड़ियों के संचालन से हर 1.5 घंटे के अंतराल पर यात्रियों को राजस्थान रोडवेज़ की लग्ज़री एसी बस की सुविधा मिल सकेगी । इन नयी संचालित टू वाई टू एसी बसों में यात्रियों को 540 रुपये की कम किराए राशि में लग्ज़री एसी बस सर्विस का फ़ायदा मिल सकेगा जबकि महिलाओं के लिए यह किराया राशि 392 रुपये रहेगी।

निःशुल्क इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर के लिए पात्र विशेष योग्यजन आवेदक 7 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। राजस्थान सरकार की लोककल्याणकारी योजनाएं दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर एवं आसान बनाने में मददगार साबित हो रही हैं। इसी कड़ी में निःशुल्क इलैक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर के लिए पात्र विशेष योग्यजन आवेदक अब 7 नवंबर 2024 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। जिले में आवासी मांसपेशीय दुर्विकास से ग्रसित विशिष्ट विकलांगता पीला अथवा नीला दिव्यांग प्रमाण पत्र धारक दिव्यांगजनों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर उपलब्ध करवाने हेतु दिनांक 7 नवंबर तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक श्री कृष्णकांत सांखला ने बताया कि जयपुर जिले में आवासी मांसपेशीय दुर्विकास से ग्रसित पीला (40 प्रतिशत से 79 प्रतिशत तक) नीला (80 प्रतिशत से 80 प्रतिशत से अधिक) से पीड़ित विशेष योग्यजनों को चलने की क्षमता प्रदान कर आत्म निर्भर बनाने हेतु इलैक्ट्रीक पावर व्हीलचेयर प्राप्त करने हेतु अपील की है। इलैक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर हेतु आवेदन पत्र 7 नवंबर 2024 तक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के स्थानीय जिला कार्यालय एवं ब्लॉक स्थित कार्यालयों से प्राप्त कर आवेदन पत्र के साथ मूल निवास एवं दिव्यांग प्रमाण पत्र सहित संबंधित कार्यालय में जमा कराए जा सकेगें।

पूर्व विधायक को को भेजे अश्लील मैसेज, रेप की धमकी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जालोर। जालोर की 39 वर्षीय पूर्व विधायक अमृता मेघवाल को जान से मारने की धमकी मिली है। वॉट्सऐप पर अश्लील मैसेज भेजे गए हैं। मेघवाल ने जयपुर पुलिस आयुक्तालय के साइबर थाने में रिपोर्ट दी है। वॉट्सऐप पर 7487013982 नंबर से अश्लील मैसेज दिए गए और एक कॉल की गई। वापस कॉल की तो सामने वाला व्यक्ति गालियां देने लगा। जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि तेरा हाल भी बाबा सिद्दीकी जैसा कर दूंगा। आरोपी ने रेप की भी धमकी दी। मामला दर्ज होने के बाद भी नहीं मान रहा है और नंबर से कॉल और मैसेज आ रहे हैं। पूर्व विधायक मेघवाल ने बताया कि उनके साथ पिछले कुछ सालों से ऐसी घटनाएं होती रही हैं। उन्हें पहले भी जयपुर में धमकाया गया था, सोडाला थाने में रिपोर्ट दी थी। 2021 व 2022 में 2 बार हमले भी हुए हैं। जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में उन्होंने मामला दर्ज कराया था। हाल में 8 जुलाई को जालोर में ससुराल पक्ष से विवाद हो गया था। इस दौरान अपने पूर्व पति बाबूलाल, ससुर हेमाराम, चाचा ससुर शिवलाल सोलंकी और देवर कैलाश के विरुद्ध मारपीट करने के साथ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया था। अमृता मेघवाल की शादी जालोर के नोरवा हाल रामदेव कॉलोनी निवासी एडवोकेट बाबूलाल मेघवाल पुत्र हेमाराम मेघवाल से 21 अप्रैल 2008 को हुई थी। अमृता चाणोद (पाली) की रहने वाली हैं। 21 जनवरी 2019 को दोनों के बीच विवाद हुआ कि वे अलग रहने लगे। कोर्ट ने अमृता मेघवाल को नोटिस भेजकर उपस्थित होने को कहा, लेकिन वे कोर्ट में उपस्थित नहीं हुईं। इस पर 4 मई 2023 को तलाक हो गया।

'मम्मी-पापा खुश रहो' लिखकर फंदे पर झूला NEET स्टूडेंट:बहन गेट खटखटाती रही, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला; कोटा में इस साल 13 आत्महत्याएं

24 न्यूज अपडेट

कोटा. कोटा में NEET की तैयारी कर रहे एक और स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया है। बुधवार देर रात हुई सुसाइड की यह घटना शहर के दादाबाड़ थाना इलाके की है। स्टूडेंट ने पीजी के कमरे में फंदा लगाया। संचालक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव फंदे से उतारा। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर का रहने वाला स्टूडेंट अपनी बहन के साथ पीजी में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। छात्र के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें उसने मम्मी खुश रहो लिखा है। परिवार के आने के बाद गुरुवार को पोस्टमार्टम किया जाएगा। वहीं, कोटा में इस साल अब तक 13 सुसाइड के केस सामने आ चुके हैं। बहन काफी देर तक आवाज लगाती रही सीआई नरेश कुमार मीणा ने बताया कि आशुतोष चौरसिया (20) दूसरी बार कोटा में नीट की तैयारी करने आया था। उसकी बुआ की लड़की भी नीट की स्टूडेंट है। दोनों शास्त्री नगर के एक ही पीजी में रह रहे थे। बुधवार शाम को करीब 8 बजे कोचिंग से लौटी बहन ने भाई के रूम का गेट खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। इस बीच आशुतोष के मम्मी-पापा भी उसे लगातार कॉल कर रहे थे, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं था। आशुतोष की बहन रोते हुए भाई को काफी देर तक आवाज देती रही।

सीईटी में बौद्धिक हम्माली : दूर-दराज के गुरूजनों की तीन दिन तक 12 घंटे की 'चक्की पिसिंग' वाली ड्यूटी, 600 रूपए मजदूरी, विरोध की आवाज बुलंद



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। सब कामों के लिए प्रशासन को केवल गुरूजी ही मिलते हैं। उस पर भी विरोध करने पर प्रशासनिक धौंस दिखाई जाती है। जबकि प्रशासन चाहे तो किसी भी डिपार्टमेंट के लोगों को परीक्षा व्यवस्था में लगा सकता है लेकिन ले देकर हर बार शिक्षक को ही झोंक दिया जाता है। आगामी 22 से 24 अक्टूबर को आयोजित परीक्षा में तीन दिन लगातार दोनों पारियों में शिक्षकों को हार्ड ड्यूटी लगा दी गई है। दूर दराज के शिक्षकों से तीन दिन तक लगातार ड्यूटी को कहा गया है जो किसी भी नियम के तहत नहीं आता है। पूछा जा रहा है कि सारी प्रशासनिक निर्भरता शिक्षकों के सिर पर ही क्यों? यदि जरूरी भी है तो ज्यादा से ज्यादा एक दिन चक्की पिसिंग वाले सिस्टम में काम में लिया जा सकता है, मगर यहां तो तीन-तीन दिन तक के लिए झोंका जा रहा है। सीईटी परीक्षा का मानदेय भी चौकीदारी वाली न्यूनतम मजदूरी से कम है। क्या इसे बौद्धिक हम्माली नहीं कहना चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि ढर्रा सुधारे, सुनियोजित रूप से सबकी सहमति व सहूलियत के हिसाब से ड्यूटी लगाए। बताया जा रहा है कि कई शिक्षकों को तो 40,50 किलोमीटर दूर से आना होगा। जिसका उन्हें नहीं मिलेगा कोई यात्रा भत्ता। तीन दिन ठहरने की भी करनी होगी व्यवस्था। शेड्यूल ऐसा है कि खाना खाने तक का समय नहीं मिलेगा। सुबह 7 से 8 वीक्षक करेंगे डॉक्यूमेंट्स की जांच,देंगे परीक्षार्थियों को प्रवेश। फिर कक्षों में जांच,कमरे में नहीं होगी कोई कुर्सी,लगातार सवा चार घंटे खड़े रहना होगा। 1.00 बजे से फिर वही क्रम। 6.10 परीक्षा खत्म करवा ओएमआर जमा करवा,पैकिंग,विदाई तक 7.00 बजे तक फ्री होकर घर पहुंचेंगे 9.00 बजे। फिर यही क्रम दूसरे दिन ,तीसरे दिन भी चलेगा। विरोध पर कहा जा रहा है कि नौकरी है करनी होगी, भले आप किसी भी हाल में हो.. कोई सुनने वाला नहीं है। एक मजदूर से भी बदतर हालात पूछा जा रहा है कि 12 घण्टे लगातार ड्यूटी कौनसे नियम में आती है। 40,50 किलोमीटर से भी दूर पदस्थापित शिक्षकों की ड्यूटी लगाना वो भी बिना इच्छा या सहमति के आखिर क्यों जरूरी है। जिला कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि वीक्षकों को राहत प्रदान करते हुए एक पारी में ही ड्यूटी लगाई जाए। इसके साथ्ज्ञ ही गूगल लिंक जारी कर आवेदन प्राप्त कर इच्छुक शिक्षकों को ही वीक्षण कार्य हेतु लगाया जाए। आपको बता दें कि कई शिक्षक कोटड़ा , झाड़ोंल, फलासिया , खेरवाड़ा जैसे 100 से 150 किलोमीटर दूर स्थित ब्लॉक से आएंगे।

यूनिवर्सिटी के बाहर युवक पर चाकू से किए वार:आपसी रंजिश के चलते बदमाशों ने मारे चाकू, आरोपियों की जांच में जुटी प्रतापनगर पुलिस



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के ठीक बाहर कुछ बदमाशों ने एक युवक पर चाकूबाजी करते हुए उसे घायल कर दिया। घटना प्रतापनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम की है। जब हमलावर काले रंग की थार गाडी में सवार होकर आए और यूनिवर्सिटी रोड पर खड़े युवक विद्याधर कृष्ण पिता बालकृष्ण पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के दौरान बदमाशों ने आसपास लोगों का हो-हल्ला सुना तो वे अपनी कार को वहीं छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों ने घायल युवक विद्याधर को तुरंत एमबी हॉस्पिटल पहुंचाया। युवक के हाथ पर चाकू से गहरा घाव हो गया। उसका हॉस्पिटल में इलाज जारी है। इधर, सूचना पर प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने गाडी को कब्जे में लिया।

साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने बताया कि घायल युवक आरके सर्कल पर आइसक्रीम पार्लर चलाता है। दोनों के बीच आपसी रंजिश चल रही थी जिसके चलते कुछ बदमाशों ने उस पर हमला किया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

विधायक जैन ने दी खुशखबरी, उदयपुर के ब्लीचा में होगी सैनिक स्कूल की स्थापना, बालिका उमावि में 19 लाख रूपये के निर्माण कार्यो का किया लोकार्पण



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालालय आयड़ में 19 लाख रूपये से निर्मित कक्षा कक्ष, कार्यालय, रोड़ टाईल्स एवं गंगु कुंड सामुदायिक भवन के जिर्णोद्वार के निर्माण कार्यो का शिलान्यास गुरूवार को शहर विधायक ताराचंद जैन, जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, उपमहापौर पारस सिंघवी, वार्ड पार्षद एवं गैराज समिति के अध्यक्ष मनोहर चौधरी, उपाध्यक्ष प्रेम सिंह शक्तावत, जगत नागदा, सत्यनारायण चौधरी, ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर आयोजित सभा में सम्बोधित करते हुए ताराचंद जैन ने शहर को एक नई सौगात देते हुए कहा कि अतिशीघ्र आगामी दिनों में बलीचा में सैनिक स्कुल की स्थापना की जायेगी जिसकी कार्य योजना तैयार की जा चुकी है, जिससे शहर के युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। जैन ने कहा कि शहर के प्रत्येक विद्यालय में नगर निगम, नगर विकास प्रन्यास, विधायक कोटे से करोड़ों रूपयों के निर्माण के कार्य कराये गये है। प्रत्येक विद्यालय में विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ति की गई है उनकी जिम्मेदारी है कि वे विद्यालय की कमियों एवं आवश्यक कार्यो की कार्य योजना बना कर मुझ तक पहुंचाये। मनोहर चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र मारू, महेश भावसार, डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री, खेमराज जोशी, वेणी राम सालवी, पार्षद करणमल जारौली, राकेश् जैन, ज्योति लौहार, कुसुम पंवार, राजकुमार परमार, प्रेमशंकर सुथार, आनंदी लाल चितौड़ा, शिवशंकर नागदा, सुरेश सालवी, नवीन पालीवाल, चिराग वसीटा, सुनील चितौड़ा, राजेश चितौड़ा, गोपाल सालवी, भेरूलाल पहाड़िया, धजराज मेवाडा, भावना माली सहित वार्ड के कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे। संचालन मनोहर चौधरी ने किया जबकि आभार महेश भावसार ने जताया।

87 किलो गांजे के साथ 2 गिरफ्तार:मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दी दबिश,मकान में प्लास्टिक के कट्टों में मिला



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. अवैध मादक पदार्थों की धर पकड़ के लिए भीलवाड़ा जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर एक मकान से बड़ी मात्रा में अवैध गांजा बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुर थाना प्रभारी जय सुलतान ने बताया कि भीलवाड़ा जिले में एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देश और एडिशनल एसपी पारसमल जैन के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की धर पकड़ के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत जिले की मुखबिर से मिली सूचना के बाद थाना क्षेत्र के कोटड़ी कस्बे में एक कार्रवाई को अंजाम देकर एक मकान से 87 किलो 320 ग्राम गांजा बरामद किया और दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुर थाने के एएसआई गोपाल लाल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोटडी गांव में दो व्यक्ति संदिग्ध घूम रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और इनसे पूछताछ की तो दोनों ही घबरा गए। पूछताछ में इन्होंने अपना नाम भादू निवासी हिम्मत सिंह पिता श्याम सिंह दरोगा और भगवानपुरा निवासी किशन पिता भंवर सेन बताया। उन्होंने मेजा रोड पर अपने ननिहाल में गांजा छुपाने की जानकारी भी पुलिस को दी।

इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को देने पर हमीरगढ़ थाना प्रभारी दिलीप सिंह अपनी टीम के साथ मकान की तलाशी लेने के लिए पहुंचे तो यहां तीन कट्टों में गांजा मिला।इनका थाने लाकर वजन करवाने पर यह 87 किलो 320 ग्राम पाया गया। पुलिस ने अवैध गांजे को जब्त करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इनसे गांजा खरीदने बेचने संबंधित पूछताछ में लगी है।

ये थे टीम में शामिल

हमीरगढ़ थाना प्रभारी दिलीप सिंह, पुर थाना एएसआई गोपाल लाल, हेड कॉन्स्टेबल कन्हैयालाल, यशवीर सिंह, कॉन्स्टेबल बनवारी, भारत सिंह, भूपेंद्र और कुलदीप

ठेकेदारी का डबल इंजन : घाटोल में ठेकेदारों ने 12 दिन में बदलवा दिए 3 विकास अधिकारी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. बांसवाड़ा। पंचायत समिति घाटोल में 12 दिन में तीन बीडीओ के तबादले हो गए जिसके बाद चर्चा का विषय बन गया है । यहां पर हालत हो गई है कि एक बीडीओ के पदभार ग्रहण करने के महज 4 से 6 दिन में जारी नई लिस्ट आ जाती है जिसमें नया नाम आ जाता है। अब तक 12 दिन में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग से जारी ट्रांसफर लिस्ट में 3 बीडीओ बदले जा चुके हैं। यह गोरखधंधा नही तो और क्या है। डबल इंजन की सरकार में कुर्सी घूमे जा रही है ठहराव नहीं आ रहा है। इसके पीछे ठेकेदारों की करतूत बताई जा रही है जिनके आगे सत्ता नतमस्तक है। सबको उसका सेटिंग वाला चहेता बीडीओ चाहिए। पटरी नहीं बैठते ही बदल दिया जाता है। घाटोल पंचायत समिति ठेकेदारी प्रथा के कारण पूर्व में भी खूब सुर्खियों में रही है। आपको बता दें कि 25 सितंबर को राकेश निनामा ने घाटोल बीडीओ का पदभार ग्रहण किया था। 9 दिन में तबादला सूची जारी होते ही उनकी जगह समुंद्रसिंह बीडीओ बने। सिंह ने 7 अक्टूबर को बीडीओ का पदभार ग्रहण किया। 14 अक्टूबर को जारी नई तबादला सूची में समुंद्रसिंह का तबादला चित्तौड़गढ़ कर दिया। उनकी जगह घाटोल पंचायत समिति में धनपतसिंह राव को लगाया गया। बीडीओ को लेकर चल रही राजनीति खींचतान के चलते यहां विकास कार्य धूल फांक रहे हैं। लोगों का कहना है कि घाटोल पंचायत समिति में कोई भी बीडीओ डेढ़ साल से ज्यादा नहीं चला। 3 मार्च 2023 को जितेंद्रसिंह चुंडावत ने पद संभाला था व उनका 11 मार्च 2024 को ट्रांसफर हो गया था। 12 मार्च को बाबूलाल यादव को अतिरिक्त चार्ज दिया था। बीडीओ, प्रधान को लेकर पूर्व में भी विवाद हुआ था। यहां प्रधान, बीडीओ व विधायक अपना अपना राजनीति वर्चस्व बताने के लिए बीडीओ बदलने तो दूसरा उसे रोकने में लगा रहता था। जिले में सबसे ज्यादा घाटोल पंचायत समिति बीडीओ के तबादले को लेकर सुर्खियों में रही है। एक बार तो बीडीओ के खिलाफ प्रधान व सरपंचों ने प्रदर्शन कर पंचायत समिति गेट पर ताला लगा दिया था।

श्रीमाली समाज के सामूहिक करवा चौथ उद्यापन की तैयारियां अंतिम चरण में, महिला समिति ने भजन गाते हुए की सामग्री की पैकिंग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज संस्था मेवाड़ द्वारा संस्कार भवन में आयोजित होने वाले सामूहिक करवा चौथ उद्यापन की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। सामूहिक करवा चौथ उद्यापन के कार्यक्रम को भव्यता देने के लिए महिला समिति भी तैयारी में जुटी है। महिला समिति की 50 से ज्यादा कार्यकर्ता रोजाना तीन से चार घंटे तैयारी को अंतिम रूप देने में दे रही है।

गुरुवार को महिला समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने संस्कार भवन में सामग्री की पैकिंग की। करीब 50 महिलाएं करवा चौथ का सामूहिक उद्यापन करेगी, जिसके चलते 800 से ज्यादा महिलाएं एक साथ एक ही परिसर में इकट्ठा होकर चंद्रमा का पूजन करने के साथ अर्घ्य देगी। ऐसे में सभी महिलाओं के लिए करवा और लौटे के साथ में सुहाग की समस्त सामग्री को पैक करने का काम किया जा रहा है। उद्यापन करने वाली हर महिला के लिए उसकी 16 गौरणी सहित सामान की पैकिंग कर अलग-अलग बैग बनाए जा रहे हैं। जिससे अंतिम समय में व्यवस्थाएं सुचारू रह सके।

संस्कार भवन में आज महिलाएं काफी उत्साह के साथ तैयारी में जुटी हुई नजर आई। महिला समिति की सदस्य डॉ दीप्ति श्रीमाली ने बताया कि काफी उत्साह के साथ रोजाना कार्य किया जा रहा है। एक साथ समाज की महिलाएं इकट्ठा होकर तैयारी को भजन और गीत गाते हुए पूरी मस्ती के साथ संपन्न करने में जुटी हुई है। संस्कार भवन में 20 अक्टूबर को सामूहिक करवा चौथ उद्यापन कार्यक्रम होगा और तब तक लगातार महिला समिति भी पूरी तरह से सक्रिय रहते हुए कार्य करेगी। प्रतिदिन आवश्यक कार्यों को पूरा करने के लिए महिलाओं का एक ग्रुप संस्कार भवन में इकट्ठा होकर आयोजन समिति का हाथ बटाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।